21. अपठित बोध

अपठित का अर्थ है– जो पहले न पढ़ा हो। किसी भी कहानी, लेख का ऐसा अंश जो बच्चों ने अपनी पाठ्यपुस्तक में पहले नहीं पढ़ा होता, वह अपठित कहलाता है। ऐसे अंशों को अपठित बोध या अपठित गद्यांश कहा जाता है। इनके माध्यम से बच्चों की स्वयं समझकर उत्तर देने की प्रवृत्ति को विकसित किया जाता है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका सर्वप्रथम पाठ पृष्ठ पर दिए अपठित बोध के उदाहरण को बच्चों से पढ़वाएँ। दो-तीन बार गद्यांश को पढ़वाने के उपरांत अब पहले मौखिक रूप में बच्चों से गद्यांश आधारित प्रश्न पूछें।
- ❖ प्रत्येक बच्चे को उत्तर देने का अवसर दें।
- ❖ विकल्प वाले प्रश्नों के विकल्प बताकर बच्चों से एक विकल्प चुनने को कहें।
- ❖ समझाएँ, इस प्रकार के गद्यांशों के उत्तर देते समय गद्यांश को भली-भाँति दो-तीन बार पढ़ना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर गद्यांश में ही छिपा होता है यह भी बताएँ।
- ❖ पाठ का अभ्यास करने में बच्चों की सहायता करें।